कैंसर और कैंसर इलाज की जानकारी

शरीर के विभिन्न अंगों का निर्माण करने वाली कोशिकायें यदि लगातार विभाजित होती रहें और यह विभाजन अनियंत्रित व बेलगाम हो जायें, साथ ही कुछ बूढ़ी कोशिकायें अपने समय से खत्म न हो (programmed cell death *या एपॉपटोसिस*) *तो शरीर के मॉस का एक ट्यूमर बन जाता है जो शरीर पर आश्रित रहकर उससे पोषण लेकर शरीर में अन्य स्थानों पर फैलता है और शरीर को कमजोर बना देता है। कैंसर जब लगभग ५०० ग्राम से एक किलो का हो जाता है तो मृत्यु निकट आ जाती है। कैंसर बहुत कम पारिवारिक बीमारी है। अनुवांशिक या हल्का* genetic *बदलाव वातावरण और कुछ आदतों के समायोजन से कैंसर पैदा होता है।*

कैंसर के इलाज की मुख्यतः 7 पद्धितयॉ हैं :

1. ***जीवन शैली में बदलाव* (Life style changes)** *: तम्बाकू छोड़ना है। सात्विक, कम तला भुना भोजन, पेस्टीसाइड व रसायनिक खाद पर रोक, अधिक फल-सब्जी खाना, एक सहज जीवन एवं दिनचर्या, शहरी जीवन की आपा-धापी से पड़ाव, जीवन शैली में बदलाव कैंसर होने से रोकता है। परन्तु बढ़े कैंसर में जीवन शैली में बदलाव तो अवश्य करें पर निम्न में से कुछ (एक या अनेक) इलाज करने ही पड़ेगे।*
2. ***सर्जरी** : कैंसर के मास या ट्यूमर को काफी दूरी से उसकी गिलटियों सहित पूर्ण रूप से शल्य चिकित्सा द्वारा निकाल देना। कैंसर का यह सबसे पुराना और सकारात्मक इलाज है।*
3. ***कीमोथेरैपी** : जिस प्रकार दवाओं द्वारा मलेरिया, टायफॉयड का इलाज किया जाता है उसी प्रकार कैंसर का इलाज औषधियों द्वारा किया जाता है। कैंसर की औषधियॉ तेज होती है। कैंसर की दवायें आधुनिक चिकित्सा के कैंसर विशेषज्ञ डाक्टर ही देते हैं। अन्य डाक्टर कैंसर कीमोथेरैपी नहीं लगाते है। कैंसर की दवायें, गोलियां अथवा इन्जेक्शन द्वारा घर पर भी दी जाती है, अस्पताल में बुलाकर डे-केयर में लगती है और भर्ती कर के नस में ग्लूकोस के माध्यम से भी दी जाती है।*

   ***कीमोथेरैपी कैसे काम करती है** : कैंसर नाशक दवायें तीव्रगति से विभाजित होती हुयी और बढ़ती हुयी कोशिकाओं को विभाजन से रोककर उन्हें क्षति पहुँचाती है। कई प्रकार की दवायें और उनके मिश्रण दिये जाते हैं जो अलग अलग रास्तों से कैंसर की कोशिकाओं पर प्रहार करती है। अतः शरीर में सामान्य रूप में विभाजित होती हुयी कोशिकाओं जैसे सिर के बाल, रक्त की कणिकायें और मुँह एवं आतों की झिल्ली भी कैंसर कीमोथेरैपी से प्रभावित होती है और इनको क्षतिग्रस्त करती है। कैंसर कीमोथेरैपी रक्त के माध्यम से कैंसर की कोशिकाओं तक पहुँचती है।*

   कीमोथेरैपी के दुष्परिणाम क्या है :

   कुछ दवायें एवं कुछ लोग ऐसे है जिन्हें कैंसर की दवाओं से कोई भी दुष्प्रभाव नहीं होते। कभी कभी कीमोथेरैपी के दौरान मरीज काफी कमजोरी और बेचैनी महसूस करता है। ऐसा अति शक्तिशाली दवाओं के प्रयोग से होता है। कीमोथेरैपी के दौरान शरीर में प्रवेश करने वाली दवा तेजी से विभाजित होने वाली हर कोशिकाओं को नष्ट कर देती है, चाहे वह कैंसरग्रस्त कोशिका हो या फिर स्वाभाविक रूप से बहुत तेजी से विभाजित होने वाली विशेष अंग की कोशिकाएँ हो। बालों, अस्थिमज्जा, त्वचा, मुखगुहा, अमाशय और आतों की कोशिकाएँ अपेक्षाकृत बहुत तेजी से विभाजित होती है। अतः कीमोथेरैपी के बाद बाल झड़ने व थकावट रहने, मुँह में छाले पडने एवं पेट की बीमारियों की शिकायत आम है। अब कुछ दवायें ऐसी भी मिलने लगी है जो इन दुष्प्रभावों का असर काफी घटा देती है। वैसे भी दवाओं के बन्द होने के बाद कीमोथेरैपी का दुष्प्रभाव धीरे धीरे खत्म हो जाता है।

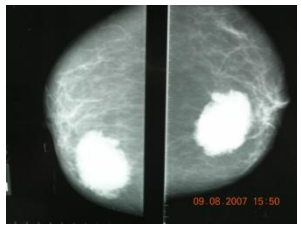

4. ***रेडियोथेरैपी** : रेडियम, कोबाल्ट, इरीडियम जैसे तत्वों की विकरणशील किरणों से कैंसर की कोशिकाओं को प्रभावित कर उन्हें सुखा डालना। यह बड़ी मशीनों से होता है।*
5. ***हारमोनल* (hormonal) *थेरैपी** : हारमोन द्वारा स्तन एवं प्रोस्टेट कैंसर का इलाज*
6. ***टारगेटेड थेरैपी** : यह पद्धित नई है। अधिकतर दवायें खाने वाली होती है। इनके लिये खून और ट्यूमर में टारगेट जॉच होती है* **(molecular diagnostics)** *। टारगेटेड थेरैपी और टारगेट जांच दोनो मंहगी है।*
7. ***इमयूनोथेरैपी** : शरीर की कैंसर से प्रति टीकाकरण करना। इमयूनोथेरैपी अभी भी बढ़े रूप में कारगर नहीं है। इसका उपयोग अभी भी कुछ कैंसरो में होता है और यह भी मंहगी हैं।*

प्रो० डाक्टर संदीप कुमार MS FRCS (Edinburgh) PhD (Wales, UK) MMSc (Newcastle)
सर्जन एवं कैंसर विशेषज्ञ, लखनऊ
Clinic : B-52, J-Park, Aastha Hospice premises, Mahanagar, Lucknow
E : profsandeepsurgeon@gmail.com W : www.surgeoninlucknow.com W : 0 93352 40880